



Literacy for a Billion

Movie: God tusi great ho

Year: 1991

Song: God tusi great ho

Lyricist: Shabbir, Sajid Farhad

ज़िंदगी से तेज़ भागूँ  
वक़्त पीछे मैं आगे चलूँ  
कल मैं कुछ था आज कुछ हूँ  
अब किसी के ना रोके रूकूँ  
हे ज़िंदगी से तेज़ भागूँ  
वक़्त पीछे मैं आगे चलूँ  
कल मैं कुछ था आज कुछ हूँ  
अब किसी के ना रोके रूकूँ  
मैं जो चाहूँ रात को दिन  
और दिन को रातें मैं करूँ  
मैं करूँ मैं करूँ  
ओह गॉड  
ओह गॉड  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो

हाथों से मैं बढ़के छू लूँ आसमाँ  
चाँद तारे खेले मेरे दरमियाँ  
मेरी उँगली थाम के सुबह चले  
मेरे कब्जे में है ये दोनो ज़हाँ  
किस्मत की चाबी जीवन की डोरी  
देखो है मेरे हाथ में  
जिसको भी चाहूँ जैसे नचाऊँ  
पावर है मेरी बात में  
मैं सारी दुनिया का मालिक  
मैं जो चाहूँ वो करूँ

वो करूँ वो करूँ  
ओह गॉड  
ओह गॉड  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो

मैं हूँ कुदरत मैं हूँ ताकत  
तो क्यों दी तूने ये आफ़त  
मेरी धरती मेरी ज़न्नत  
तो पूरी कर दे हर मन्नत  
ओ दर्जा हमारा सबसे है ऊँचा  
हमसा ना कोई दुजा  
अरे हम ना होंगे तो  
सोचो तुम्हारी फिर कौन करता पूजा  
आ... माँगे बिना देता है जो  
ऐसा हूँ अन्तरयामी  
दया का तू जो सागर है तो  
क्यों लाया फिर सुनामी  
माना के तुने दी अक़ल हमें  
पर देखले कैसे चलाया हमनें  
अरे अक़ल चलाके मुझे इतना बता दे  
ज़रा कौनसा तीर चलाया तुमने  
कम्प्यूटर बनाया मैंने  
रोबोट बनाया मैंने  
सेटेलाइट बनाया  
अरे मैं मैं मैं करता है मुख

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*



Literacy for a Billion

तुझको किसने बनाया मैंने  
ज्ञान तेरी मेरी मुट्ठी में  
तू ही बता तेरा क्या करूँ  
क्या करूँ क्या करूँ  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो

ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो  
ओह गॉड तुस्सी ग्रेट हो

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*